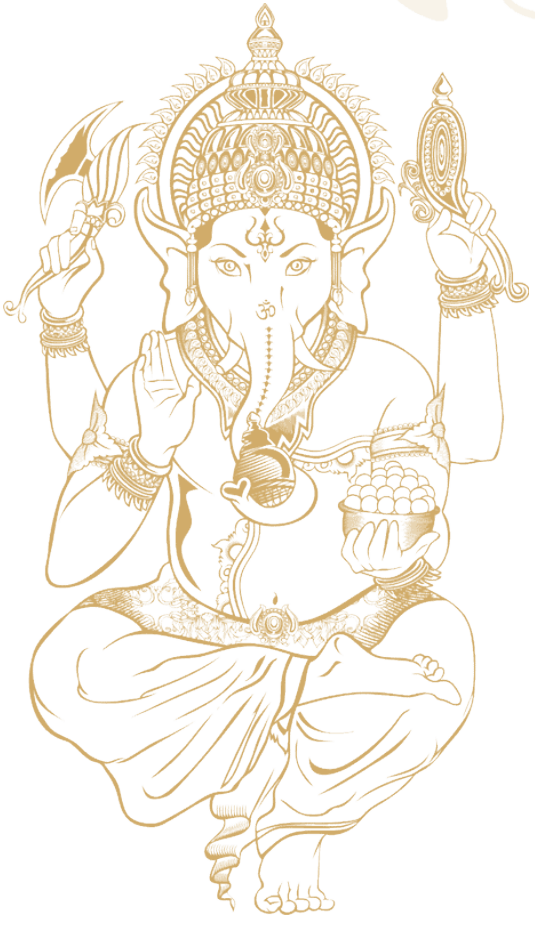

Riya Sharma

21 Jun 1994

07:46 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121799002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/06/1994**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**07:46:00 घंटे**
इष्ट	05:55:20 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:24:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:39 घंटे
साम्पातिक काल	01:21:05 घंटे
सूर्योदय	05:23:51 घंटे
सूर्यास्त	19:21:45 घंटे
दिनमान	13:57:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	05:43:07 मिथुन
लग्न के अंश	05:55:28 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:55:28	307:13:42	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			मिथु	05:43:07	00:57:14	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	02:59:08	14:42:59	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			मेष	27:00:02	00:43:27	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
बुध	व		मिथु	12:16:16	00:30:41	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	स्वराशि
गुरु	व		तुला	11:10:02	00:01:59	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	12:59:31	01:10:01	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
शनि			कुंभ	18:36:58	00:00:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	29:39:06	00:00:19	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	29:39:06	00:00:19	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	01:34:42	00:02:05	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	28:47:40	00:01:27	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	02:01:44	00:01:18	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मीन	28:08:43	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:01

लग्न-चलित

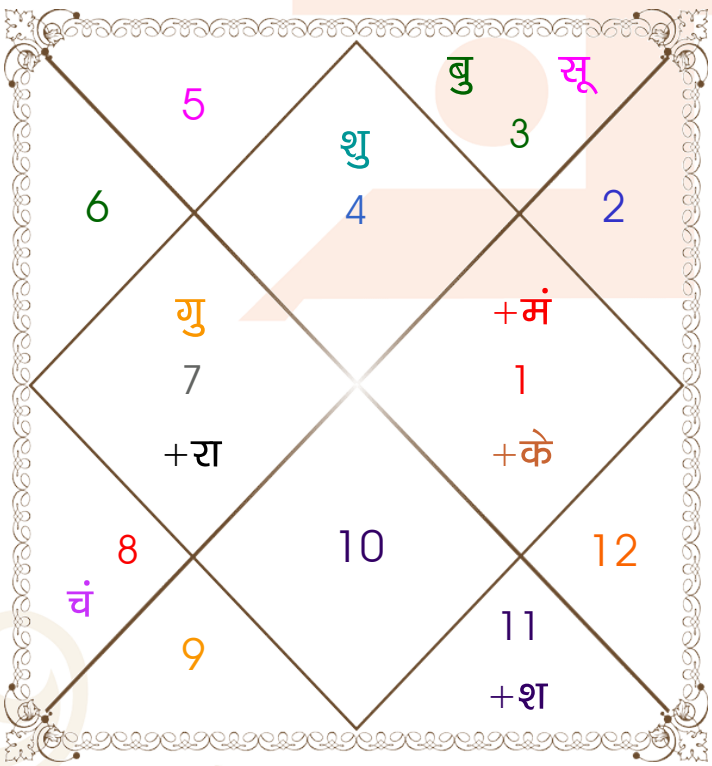

चन्द्र कुंडली

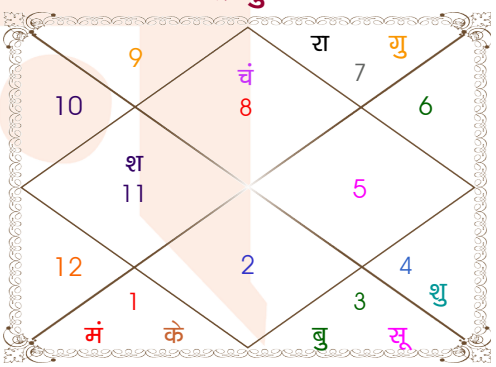

नवमांश कुंडली

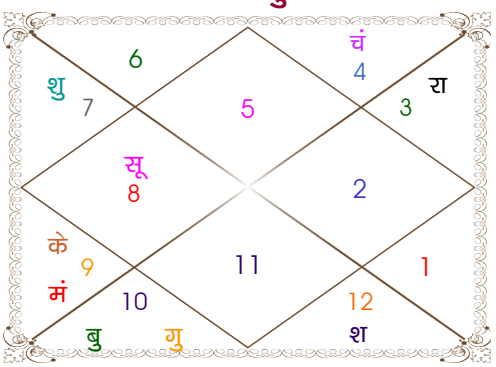

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 5 मास 0 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/06/1994		20/11/1994		20/11/2013		20/11/2030		20/11/2037	
20/11/1994		20/11/2013		20/11/2030		20/11/2037		20/11/2057	
	00/00/0000	शनि	23/11/1997	बुध	18/04/2016	केतु	18/04/2031	शुक्र	21/03/2041
	00/00/0000	बुध	02/08/2000	केतु	15/04/2017	शुक्र	17/06/2032	सूर्य	22/03/2042
	00/00/0000	केतु	11/09/2001	शुक्र	14/02/2020	सूर्य	23/10/2032	चंद्र	20/11/2043
	00/00/0000	शुक्र	11/11/2004	सूर्य	20/12/2020	चंद्र	24/05/2033	मंगल	20/01/2045
	00/00/0000	सूर्य	24/10/2005	चंद्र	22/05/2022	मंगल	21/10/2033	राहु	20/01/2048
	00/00/0000	चंद्र	25/05/2007	मंगल	19/05/2023	राहु	08/11/2034	गुरु	20/09/2050
	00/00/0000	मंगल	03/07/2008	राहु	05/12/2025	गुरु	15/10/2035	शनि	20/11/2053
	21/06/1994	राहु	10/05/2011	गुरु	12/03/2028	शनि	23/11/2036	बुध	20/09/2056
राहु	20/11/1994	गुरु	20/11/2013	शनि	20/11/2030	बुध	20/11/2037	केतु	20/11/2057

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/11/2057		20/11/2063		20/11/2073		20/11/2080		20/11/2098	
20/11/2063		20/11/2073		20/11/2080		20/11/2098		22/06/2114	
सूर्य	10/03/2058	चंद्र	20/09/2064	मंगल	18/04/2074	राहु	03/08/2083	गुरु	08/01/2101
चंद्र	08/09/2058	मंगल	21/04/2065	राहु	07/05/2075	गुरु	26/12/2085	शनि	23/07/2103
मंगल	14/01/2059	राहु	21/10/2066	गुरु	12/04/2076	शनि	01/11/2088	बुध	28/10/2105
राहु	09/12/2059	गुरु	20/02/2068	शनि	21/05/2077	बुध	22/05/2091	केतु	04/10/2106
गुरु	26/09/2060	शनि	20/09/2069	बुध	19/05/2078	केतु	08/06/2092	शुक्र	04/06/2109
शनि	08/09/2061	बुध	20/02/2071	केतु	15/10/2078	शुक्र	09/06/2095	सूर्य	23/03/2110
बुध	15/07/2062	केतु	21/09/2071	शुक्र	15/12/2079	सूर्य	03/05/2096	चंद्र	23/07/2111
केतु	20/11/2062	शुक्र	21/05/2073	सूर्य	21/04/2080	चंद्र	02/11/2097	मंगल	28/06/2112
शुक्र	20/11/2063	सूर्य	20/11/2073	चंद्र	20/11/2080	मंगल	20/11/2098	राहु	22/06/2114

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 4 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।